पिट्स

आर.एन.आई. ३८१३९/८१

www.pits.co.in

वर्ष २९ अंक-२५ सोमवार, ९ फरवरी २००९ पृष्ठ १६ मूल्य दो रुपये

इंदौर, मुंबई से एक साथ प्रकाशित

वाजपेयी की हालत स्थिर मगर नाजुक

नई दिल्ली । पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की हालत शनिवार को यथावत बनी हुई है। वह अभी भी मैकेनिकल वेंटीलेटर पर है। तीन फरवरी को रात को बुखार एवं फेफड़ों में भारी संक्रमण की वजह से उन्हें अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) की गहन चिकित्सा युनिट (आईसीयू) में भर्ती कराया गया था। शुक्रवार सुबह से उनकी हालत बिगड़ गई हैं। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) द्वारा शनिवार को वाजपेयी के स्वास्थ्य के बारे में जारी मेडिकल बुलेटिन में कहा गया है कि उनकी हालत यथावत बनी हुई है। सुबह वाजपेयी की हालत बिगड़ने के बाद उन्हें मैकेनिकल वेंटीलेटर पर रखा गया था। एम्स के चिकित्सक डॉ. डीके गुप्ता ने बताया कि वाजपेयी को भी वेंटीलेटर पर रखते समय किसी भी रोगी को दी जाने वाली बेहोशी की दवाएं दी गई।

अब 'गांधी' मॉडल की ओर भाजपा

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजनाथ सिंह पूरी तरह महात्मा गांधी की शरण में नजर आ रहे हैं। वो भी गांधी जी के घोर विरोधी रहे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की जन्मभूमि नागपुर में। भाजपा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में उन्होंने गांधीगिरी को अपनाने के लिए अनेक तर्क दे डाले। उन्होंने मौजूदा आर्थिक संकट के लिए अब तक की सभी आर्थिक नीतियों को दोषी करार देते हुए महात्मा गांधी के आर्थिक सिद्धांत की व्याख्या कर विश्व के सामने भारतीय आर्थिक विकास का मॉडल प्रस्तुत करने की अपील की। श्री सिंह ने पार्टी कार्यकर्ताओं और नेताओं का आह्वान किया कि तन्मयता से चुनाव की तैयारी में जुट जाएं। देश की जनता केंद्र में परिवर्तन चाहती है। यदि ऐसे माहौल में चूक गये तो देश हमें माफ नहीं करेगा। भारत विभाजन के लिए संघ गांधी जी को दोषी मानता है। इसके उलट श्री सिंह ने अपने अध्यक्षीय भाषण में गांधीगिरी को जायज ठहराने के उदाहरण पेश किये।

उन्होंने कहा कि रूस से साम्यवाद समाप्त हो चुका है और विश्व में छायी आर्थिक मंदी ने भी पूंजीवाद को गलत साबित कर दिया है। उन्होंने कहा कि सौ साल पहले महात्मा गांधी ने 'हिंद-स्वराज' पुस्तक लिखी थी। जिसमें उन्होंने लिखा था कि भारतीय मॉडल किस प्रकार से पारंपरिक ज्ञान और अनुभव पर आधारित हो सकता है। वहीं कभी राम मंदिर और कभी आतंकवाद को मुद्दा बनाकर चुनाव मैदान में कूदने वाली भाजपा को चुनाव से पहले गांधी जी का समाजवाद, अर्थशास्त्र उपयुक्त लग रहा है। वह भी तब, जब भाजपा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक नागपुर में चल रही है। श्री सिंह ने कहा कि आज गांधी जी के विकास के माडल पर दोबारा विचार करने की जरूरत है। उन्होंने अर्थशास्त्रियों का आह्वान किया कि वे गांधी जी के माडल की वर्तमान युग के अनुकूल व्याख्या करें और नये आर्थिक विकास का माडल दुनिया के सामने पेश करें। बात यहीं समाप्त नहीं होती। श्री सिंह ने कहा कि गांधी जी के सामाजिक, आर्थिक और कूटनीतिक विचार अधिकाधिक प्रासंगिक हो रहे हैं।

पार्टी को राह दिखाने के बजाय केंद्र पर जोरदार बरसते हुये एवं पार्टी कार्यकर्ताओं को चुनावी तैयारी के लिए कोई रास्ता सुझाने के स्थान पर श्री सिंह ने यूपीए सरकार की बखिया ज्यादा उखेड़ी। चुनावी माहौल में शुरू हुई पार्टी की एक दिवसीय राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में श्री सिंह ने यूपीए सरकार को आर्थिक क्षेत्र से लेकर विकास और रोजगार उपलब्ध कराने के अवसरों तक सभी क्षेत्रों में असफल बताया। श्री सिंह ने कहा कि कांग्रेस के पास नेतृत्व का अभाव है, जबकि एनडीए के पास स्पष्ट नेतृत्व है। हम सभी को मिलकर आडवाणी के नेतृत्व में नई सरकार बनाने के लिए जुट जाना चाहिए। श्री सिंह के भाषण में दिल्ली हार की टीस साफ झलक रही थी। माहौल भाजपा के पक्ष में होने के बावजूद पार्टी वहां विधानसभा का चुनाव हार गयी थी। श्री सिंह ने कहा कि यूपीए सरकार के खिलाफ जनता में गुस्सा है। यदि हमने ऐसे अनुकूल माहौल को भुनाने में चूक की तो देश हमें माफ नहीं करेगा। शनिवार की राष्ट्रीय परिषद के तीन प्रस्तावों को पार्टी ने हरी झंडी दे दी है। इन प्रस्तावों में आर्थिक नीति, किसान और कृषि संबंधी और राजनीतिक प्रस्ताव शामिल हैं।

इसी माह घोषित हो जाएंगे भाजपा के प्रत्याशी

भारतीय जनता पार्टी लोकसभा चुनाव के लिए इसी माह अपने सारे प्रत्याशियों के नामों का ऐलान कर देगी। 99 प्रत्याशी पहले ही घोषित किये जा चुके हैं। पार्टी करीब 300 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। यह जानकारी भाजपा प्रवक्ता प्रकाश जावड़ेकर ने दी है।जावड़ेकर ने बताया कि लोकसभा चुनावों की घोषणा मार्च के पहले सप्ताह में हो सकती है। इस चुनाव के लिए पार्टी पूरी तरह से तैयार है। 99 प्रत्याशियों की घोषणा की जा चुकी है। फरवरी के अंतिम सप्ताह तक सारे प्रत्याशियों की घोषणा कर दी जाएगी। बैठक में विभिन्न राज्यों से मिली रिपोर्ट के अनुसार भाजपा के प्रति काफी अच्छा माहौल है। विश्वसनीय नेतृत्व के सवाल पर भाजपा आगे है। कांग्रेस के खिलाफ लोगों का गुस्सा उफान पर है। जनता बदलाव चाहती है। उन्होंने बताया कि अब तक के अनुभव के अनुसार लोकसभा चुनावों से अधिक मत मिलते हैं 99 के चुनाव में जब विधानसभा चुनाव और लोकसभा के चुनाव एक साथ एक ही बूथ पर हुए थे तब विधानसभा में पार्टी को 31 प्रतिशत व लोकसभा में 39 प्रतिशत मत मिले थे हर चुनाव में 8 से 10 प्रतिशत मतदान अधिक होता है। आने वाले तीन सप्ताह में भाजपा को चुनाव समिति की बैठक होने वाली है। उन्होंने बताया कि सभी राज्यों के मतदान के आंकड़ों पर नजर डाली जाए तो पता चलेगा कि अनेक वर्षों तक इस देश पर राज करने वाली कांग्रेस का ग्राफ निरंतर घटता जा रहा है व भाजपा का ग्राफ बढ़ता ही जा रहा है।

अंजामे गुलिस्तां

उत्तम झंवर

मंदी के दौर में क्रिकेट खिलाड़ियों की चांदी हो रही है। आईपीएल के लिए हो रही बडी बिकवाली में इन दिनों खिलाडियों की खरीद-फरोख्त हो रही है। एक तरफ तो होड है कि कौन सबसे बढ़ कर दाम लगाता है। दूसरी तरफ कुछ नाम ऐसे हैं जिन्हे कोई खरीदार ही नहीं मिला। पिच पर राज करने वाले कंगारू भी पिछडे हुए हैं। अब तक इंग्लैंड के खिलाड़ी सबसे आगे हैं। माही की 15 लाख डॉलर की कीमत से आगे निकल गए केविन पीटरसन और एंड्रयू फ्लिंटाफ। प्रिटी जिंटा के साथ इस बार शिल्पा शेट्‌टी, जूही चावला आदि भी मैदान में दांव लगा रही हैं। इन सभी के बीच सरकार भी कोशिश कर रही है कि मंदी के दौर में लोगों को कुछ राहत दी जा सके। विदेशी कर्जो के नियमों को सरल किया जा रहा है। इससे सबसे ज्यादा लाभान्वित निर्यात इकाइयों वाले लोग हो सकेगें। लगभग 3.50 की ब्याज दर से यह विदेशी कर्ज मिलने पर बेरोजगारी का प्रतिशत भी कम हो सकेगा।

आईसीसी की वनडे मैचो की रैंकिंग में पहली बार देश का स्थान कुछ सम्मानजनक हो रहा है। क्रिकेट के बुखार से ज्यादा तो इन दिनों चुनावी बुखार चढ़ा है। लोकसभा की सीमित सीटें होने के बाद भी मामला वहीं है। अपने लोग प्रत्याशी बने और अपने ही लोग जीते भी। हर तरफ तैयारी शुरू है। देश की रंगत को मंदी से उबार कर संवारने में इन सफेदपोशों का क्या रोल रहेगा वो तो वक्त ही बताएगा। हालिया स्थिति में तो गिनती के लोग है जो अपने अलावा देश और इसके लोगों के बार में ही चिंता कर रहे हैं। अन्यथा तो धर्म को अपनी सुविधा के अनुसार वापरने वाले राजनेताओं में इन दिनों चांद मोहम्मद का नाम चर्चा में है। जिन्होने प्रेमिका अनुराधा (अब फिजा)से शादी रचाने के लिए धर्म बदल लिया। धर्म के नाम पर दंगे और अब राजनेताओं की शादियां। बस इतना ही कहेंगें कि -

हर शाख पे उल्लु बैठा है,
अंजामे गुलिस्तां क्या होगा?